Subject :- Sociology Date :- 03/07/2020 (1)
Class :- 12th Topic :- समुदाय
By :- Dr. Shyamanand Choudhary
Guest Teacher Marwari college, Darbhanga
समुदाय online study Material No :- (99)

समुदाय का एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र होता है। समुदाय में व्यक्ति अपना सामान्य जीवन व्यतीत करते हैं। उनकी समस्त जैविकीय और मानसिक आवश्यकताएँ इस सामुदायिक जीवन में ही पूरी होती है।

समुदाय को अंग्रेजी में Community कहते हैं। Community दो शब्दों से मिलकर बना है। Com और munis। Com- का अर्थ एक साथ तथा munis - का अर्थ सेवा करना। इस प्रकार Community का शाब्दिक अर्थ 'एक साथ सेवा करना' है। अन्य शब्दों में हम कह सकते हैं कि ऐसे व्यक्तियों का समूह, जिनमें परस्पर मिलकर रहने की भावना होती है तथा जो परस्पर सहयोग द्वारा अपने अधिकारों का उपयोग करते हैं समुदाय कहलाता है।

परिभाषाएँ

Ginsberg के अनुसार, "समुदाय का अर्थ सामाजिक प्राणियों का वह समूह समझना चाहिए जो एक सामान्य जीवन व्यतीत करता हो। उस सामान्य जीवन में अनेक निर्माण करने वाले तथा उसके परिणामस्वरूप अनेक विभिन्न और जटिल सम्बन्ध समाविष्ट होते हैं।"

Maciver and page के शब्दों में, "जब किसी समूह के सदस्य, चाहे वह छोटा हो या बड़ा, इस प्रकार एक साथ रहते हैं कि उनका एक साथ रहना किसी विशेष प्रयोजन या विशेष स्वार्थ से नहीं होता वरन् उसके साथ-साथ रहने की आधारभूत बात भी एक सी होती है, तब हम उस समूह को समुदाय कहते हैं।"

Bogardus के अनुसार, "समुदाय एक ऐसा सामाजिक समूह है जिसमें 'हम' की भावना का कुछ न कुछ अंश पाया जाता है और जो एक निश्चित क्षेत्र में निवास करता है।"

Davis के अनुसार, "समुदाय एक सबसे छोटा क्षेत्रीय समूह है जिसके अन्तर्गत सामाजिक जीवन के समस्त पहलुओं का समावेश हो सकता है।"

Green के शब्दों में, "समुदाय संकीर्ण प्रादेशिक घेरों में रहने

Kajol
Scanned with CamScanner

वाले उन व्यक्तियों का समूह है जो जीवन के सामान्य ढंग को अपनाते हैं। एक समुदाय एक स्थानीय क्षेत्रीय समूह है।"

ग्रामीण एवं नगरीय समुदाय में अन्तर

1. व्यवसाय के आधार पर
ग्रामीण समुदाय में अधिकांश व्यक्ति कृषि कार्यों से जीविकोपार्जन करते हैं। इस प्रकार यह कृषि प्रधान समाज है।
नगरीय समुदाय में अधिकांश लोग गैर कृषि कार्यों जैसे व्यापार, निर्माण कार्य, प्रशासनिक कार्यों, उद्योगों तथा अन्य सेवाओं तथा जीविका प्राप्त करते हैं।

2. पर्यावरण के आधार पर
ग्रामीण समुदाय में व्यक्तियों का जीवन प्राकृतिक दशाओं से अधिक प्रभावित होता है।
नगरीय समुदाय में मनुष्य द्वारा विकसित भौतिक और अभौतिक संस्कृति लोगों के व्यवहारों को प्रभावित करती है।

3. समुदाय का आकार के आधार पर
ग्रामीण समुदाय आकार में छोटा होता है।
नगरीय समुदाय में नगरीकरण में वृद्धि होने के साथ समुदाय का आकार बढ़ता जाता है।

4. जनसंख्या का घनत्व के आधार पर
ग्रामीण समुदाय में ग्रामीण जीवन तथा जनसंख्या के घनत्व में कोई सम्बन्ध नहीं होता। साधारणतया यहाँ जनसंख्या का घनत्व काफी कम होता है।
नगरीय समुदाय में नगरीय विशेषताओं और जनसंख्या के घनत्व के बीच सकारात्मक सम्बन्ध होता है। इस प्रकार यहाँ जनसंख्या का घनत्व अधिक होता है।

5. जनसंख्या की विशेषताएँ के आधार पर
ग्रामीण समुदाय में लोगों के विचारों, व्यवहार के तरीकों और विश्वासों में काफी समानता होती है।
नगरीय समुदाय में विभिन्नता पायी जाती है। विभिन्न धर्मों, जातियों और आर्थिक वर्गों के लोग साथ-साथ रहते हैं।

6. सामाजिक स्तरीकरण के आधार पर
ग्रामीण समुदाय में स्तरीकरण परिवार की स्थिति और जाति पर आधारित होता है। उनकी सामाजिक प्रस्थिति का निर्धारण

Scanned with CamScanner

सांस्कृतिक मूल्यों द्वारा होता है।
नगरीय समुदाय में समूहों और वर्गों के बीच धर्म या जाति के आधार पर कोई स्तरीकरण नहीं होता। सभी लोगों को अपने आर्थिक स्तर, योग्यता और कुशलता के आधार पर सामाजिक प्रस्थिति प्राप्त होती है।

7. अन्तःक्रिया की प्रकृति के आधार पर
ग्रामीण समुदाय में ग्रामीणों के सामाजिक सम्बन्ध एक छोटे दायरे तक ही सीमित रहते हैं। यह सम्बन्ध स्थायी तथा अनौपचारिक होते हैं।
नगरीय समुदाय में अंतःक्रियाओं का क्षेत्र बहुत व्यापक होता है। व्यक्तियों के सम्बन्ध अस्थिर, औपचारिक, अनिश्चित, अस्थायी तथा हित प्रधान होते हैं।

8. गतिशीलता की प्रकृति के आधार पर
ग्रामीण समुदाय में लोग अपने गाँव या क्षेत्र को छोड़कर किसी दूसरे स्थान पर बसना नहीं चाहते। जो लोग स्थान परिवर्तित करते हैं वे गाँव से नगर की ओर जाते हैं।
नगरीय समुदाय में श्रम-विभाजन और विशेषीकरण बढ़ने के साथ गतिशीलता भी अधिक होती है। इसके बाद भी नगरों में गाँव की ओर होने वाला प्रवास बहुत कम होता है।

S. N. Choudhary
Guest Teacher
Marwari College, Darbhanga

Scanned with CamScanner